MBBS
BATCH
2024
हर घर तिरंगा
के संयुक्त

प्रेरणादायक

मुक्ति-शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट कर रही लोगों को प्रेरित

देहदान के लिए 12 लोगों ने भरा संकल्प पत्र

सुरेंद्र सिंह

ललितपुर। एक व्यक्ति शरीर दान कर आठ से दस लोगों की जान बचा सकता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुक्ति-शांति चैरिटेबल ट्रस्ट लोगों को देहदान के लिए प्रेरित कर रहा है। अब तक 12 लोगों ने देहदान के लिए संकल्प पत्र भरा है।

बिगड़े खान-पान व अनियमित दिनचर्या से लोग तनाव, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय की बीमारी, ब्रेन स्ट्रोक, फेफड़े की बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये अंग खराब होने से असमय मौत हो जाती है। चिकित्सकों का कहना है कि मौत के बाद अंगदान कर एक व्यक्ति कम से कम आठ लोगों को जीवन दे सकता है। वहीं, चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों की पढ़ाई में मदद मिलती है।

अंगदान दिवस पर विशेष

अंगदान से एक शरीर से आठ से दस लोगों की जान बचाई जा सकती है।- **डॉ. विशाल जैन मेडिकल कॉलेज**

ट्रस्ट कर रही लोगों को प्रेरित : अंगद्यान को लेकर लोगों में कई तरह की भ्रांतियां हैं। मुक्ति-शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट लोगों को जागरूक कर रहा है। ट्रस्ट की पहल रंग लाने लगी है। पहली महिला शांति साहू ने देहदान किया है। अब तक 12 लोग संकल्प पत्र भर चुके हैं। 33 लोग देहदान के लिए आगे आए हैं, जो संकल्प पत्र भरेंगे।

कई की बच सकती है जान : एक व्यक्ति के अंगदान से कई लोगों की जान बच सकती है। आंख दान से अंधेपन का उपचार संभव है। डायलिसिस या वेंटिलेटर पर रहने वाले मरीज अंग प्रत्यारोपण के बाद सामान्य जीवन जी सकते हैं। अंगदान कर समाज में परोपकार का संदेश दे सकते हैं। यह मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन में खुशी ला सकता है। दान देने वाले के परिजन को सुकून मिलता है। (संवाद)

अंगदान से किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सके, यह बड़े ही पुण्य का कार्य है। इसीलिए अंगदान का निर्णय लिया। **- महेश कुशवाहा**

मृत्यु के बाद भी हमारा शरीर किसी के कार्य आए और व्यक्ति को जीवनदान मिले। यह खुशी की बात होगी। **- लीला**

अंगदान सबसे बड़ा दान है। इससे मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन में खुशी दे सकते हैं। सभी को पुनीत कार्य में आगे आना चाहिए। **- खुशाल साहू संस्थापक, मुक्ति-शांति देहदानी चैरिटेबल ट्रस्ट**

अंगदान एक पुनीत कार्य है, इससे कई लोगों को जीवनदान दिया जा सकता है। इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए।**- अज्जू बाबा, अध्यक्ष देहदानी चैरिटेबिल ट्रस्ट**

अमर उजाला ..13,08,2025

जीवनदान का महायज्ञ : अन्तर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस पर मेडिकल कॉलिज में हुआ भव्य समारोह

- लोगों के जीवन में उम्मीद की रोशनी भर सकता है अंगदान : डीन

ललितपुर ब्यूरो : मानवता की सेवा का सबसे बड़ा उदाहरण पेश करते हुए स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया गया। मुक्ति शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवनदान के महायज्ञ का एक अद्भुत नजारा था, जहां लोगों ने मृत्यु के बाद भी जीवन को बचाने का संकल्प लिया।

छात्रों ने भी दिखाया उत्साह

इस मौके पर एमबीबीएस की छात्रा नम्रता वर्मा ने कैडिवर ऐज दा फस्ट टीचर प्रजेन्टेशन दिया, इस प्रभावशाली प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो यह दर्शाता है कि आज की युवा पीढ़ी भी इस नेक काम के लिए पूरी तरह से तैयार है। मुक्तिधाम सेवा समिति के अध्यक्ष अज्जू बाबा ने सभी से अपील की कि वे अपने परिवार और समाज में इस सन्देश को फैलाएं और अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करें।

ललितपुर : कार्यक्रम में उपस्थित जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सीएमओ, डीन, वाइस प्रिंसिपल व अन्य अतिथि।

जिलाधिकारी ने देहदानियों को किया सम्मानित

इस गरिमामय आयोजन में जिलाधिकारी अमनदीप डुली, पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक, और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इम्तियाज अहमद जैसे शीर्ष अधिकारी मौजूद थे, उन्होंने मुक्ति शांति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ मिलकर उन सभी महानुभावों को सम्मानित किया, जिन्होंने मृत्यु के बाद अपने अंगों या पूरे शरीर को दान करने का साहस दिखाया है। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच जब इन देहदानियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, तो हर किसी की आँखों में उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता थी।

एक देहदान, कई जिन्दगियाँ

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला ने बताया कि यह एक ऐसा दान है जो कई जिन्दगियों बचा सकता है। उन्होंने कहा, भारत में लाखों लोग नई किडनी, लीवर, दिल या आँख के इन्तजार में हैं। जागरूकता की कमी के कारण ये अंग नहीं मिल पाते। एक अकेला व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद 8 अंगों और टिशू का दान करके 8 लोगों के जीवन में उम्मीद की रोशनी भर सकता है।

याद दिलाई जीवन व मानवता के प्रति जिम्मेदारी

मेडिकल कॉलिज की उपप्रधानाचार्य एवं विभागाध्यक्ष पर्थॉलजि, एनाटॉमी डॉ. श्रुति सिंह के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरू आत विभागाध्यक्ष बायोकेमिस्ट्री डॉ. एएचआमिर के भाषण से हुई, जिन्होंने समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुये अंगदान एवं देहदान के महत्व को बताते हुए कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक औपचारिक समारोह नहीं था, बल्कि एक प्रेरणा थी, जो यह सिखाती है कि हम अपनी मृत्यु के बाद भी इस दुनिया को बेहतर बना सकते हैं। यह दिन जिले के इतिहास में एक सुनहरे अक्षर के रूप मे दर्ज हो गया है, जिसने जीवन और मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी को फिर से याद दिलाया।

यह हैं अंगदान करने वाले महादानी

ज्वाला प्रसाद यादव, सुमन राठौर, मनोज कुमार राठौर, फूला लोधी, वीरेंद्र कुमार जैन, सुन्दर लाल रजक, मुन्नी देवी साहू, लक्ष्मीनारायण दुबे, जय कुमार दुबे, गीता मिश्रा, चंद्रभूषण अहिरवार, खुशाल चंद्र साहू, जगदीश प्रसाद मालवीय, शशि जैन, रोहित कुमार जैन, प्रमोद कुमार जैन, गौरीशंकर सेन, द्रोपती सेन, महेश कुशवाहा, लीला कुशवाहा, सुरेश चंद्र जैन इमलिया, इंद्रा जैन इमलिया, सुधीर कुमार जैन, रामनाथ मौर्य चंदेरी, फेरन लाल अहिरवार, सखि अहिरवार, राघवेंद्र अहिरवार, प्रीति परोचे, सुखदयाल व अरविंद बुन्देला आदि।

यह रहे मौजूद

डॉ. एएच आमिर, डॉ. दीक्षा अग्रवाल, डॉ. आकृति यादव, डॉ. रजनी रमतेले, हॉस्पिटल क्वालिटी मैनेजर नंदलाल (संयुक्त संचालन), मीडिया प्रभारी डॉ. विशाल जैन (आभार), डॉ. गजेन्द्र सिंह मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. एम0सी0गुप्ता, डॉ. मधुरेन्द्र सिंह राजपूत, आचार्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग, डॉ. सुरेश पचौरी आचार्य कम्युनिटी मेडीसन, डॉ. देशनिधि सिंह, सह आचार्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग, डॉ. योगेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, डॉ. अंकित शर्मा, डॉ. घनश्याम, डॉ. चेतनराज सिंह, निश्चेतना विशेषज्ञ, डॉ. डीकेराज वरिष्ठ सर्जन, डॉ. केके मिश्रा ऑर्थो सर्जन, डॉ. मनीष माथुर, एमबीबीएस छात्र एवं छात्राये एवं अन्य अधिकारीव कर्मचारी।

अंगदान, देहदान कर बनें महादानी : मुक्ति संस्था

ललितपुर। अन्तर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस पर अतिथि एवं गणमान्यजन।

मुक्ति शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने मेडिकल कॉलेज में किया जागरूकता आयोजन

ललितपुर। मुक्ति- शान्ति देहदान चैरिटेबल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस मनाया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अमनदीप डुली व पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक रहे। अध्यक्षता प्रधानाचार्य डा. मयंक कुमार शुक्ला ने की। ट्रस्ट ने आह्वान किया कि लोगों को जागरूक होकर दूसरों को भी अंगदान के लिए प्रेरित करना होगा।

प्रधानाचार्य ने कहा कि अंगदान ऐसा दान है, जो कई जिन्दगियों को बचाने के साथ-साथ उनको नया जीवन दे सकता है। कहा कि भारत देश में कई लोगों को नई किडनी, लीवर, दिल या आंख की आवश्यकता है। बताया कि कोई भी व्यक्ति अपनी मृत्यु पश्चात विभिन्न अंगों व टिशू को दान करके अनेक लोगों को जीवनदान दे सकता है। डीएम एसपी ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लोगों का जीवन बदलने में मील का पत्थर बनेंगे। इस दौरान ट्रस्ट अध्यक्ष अज्जू बाबा व संस्थापक खुशालचंद्र साहू, उप प्रधानाचार्या व पैथोलॉजी-एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डा.श्रुति सिंह, सीएमओ डा. इम्तियाज अहमद, सीएमएस डा. गजेन्द्र सिंह, डा.एम.सी.गुप्ता, डा.विशाल जैन, डा.देशनिधि सिंह, डा.पवन सूद, डा.डी.के.राज, डा.मनीष माथुर के अलावा नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं एमबीबीएस प्रथम वर्ष के अनेक छात्र मौजूद रहे। ट्रस्ट की ओर से डा.पूरन सिंह निरंजन, राजेश यादव, लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, सानू बाबा,श्रीमती सुषमा साध, श्रीमती चंद्रप्रभा वर्मा, अंजली पार्षद पंकज जैन, सत्येंद्र प्रताप सिंह सिसौदिया, गौपुत्र प्रशांत शुक्ला, मनीष दुबे, हनी सराफ, राहुल जैन, लकी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

इन अंगदानियों का हुआ सम्मान

डीएम, एसपी व प्रधानाचार्य ने संयुक्त रूप से अंगदान करने वाले महादानियों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में सुरेश चंद इमलिया, इंद्रा इमलिया, प्रमोद कुमार जैन, रोहित कुमार जैन, शशि जैन, जगदीश प्रसाद मालवीय, खुशालचंद्र साहू, चन्द्रभूषण अहिरवार, गीता मिश्रा, जयकुमार दुबे, लक्ष्मी नारायण दुबे, मुन्नी देवी साहू, सुन्दरलाल रजक, वीरेन्द्र कुमार जैन, फूला लोधी, मनोज कुमार राठौर, सुमन राठौर, ज्वाला प्रसाद यादव, गौरीशंकर सेन, द्रोपती सेन, महेश कुशवाहा, लीला कुशवाहा, राकेश सेन, सिरनाम विश्वकर्मा, सुबोध शर्मा विश्वास, अर्पित वासु शर्मा, सुधीर कुमार जैन आदि शामिल रहे।

AIRGO CAST
ASMC
PIN code
Scan to get app or

436677
Professional version
AIRGO CAST
ASMC